पशु-पक्षांमधील विविध रोग प्रादुर्भाव नियंत्रणात आणण्याकरीता करावयाच्या लसीकरणाचे वेळापत्रक.

महाराष्ट्र शासन

कृषि, पशुसंवर्धन, दुग्धव्यवसाय विकास व मत्स्यव्यसाय विभाग, शासन निर्णय क्रमांक- डीएएचडी-१४०१३/१/२०२४- एएच-४ (E-७४०६५९)

> मादाम कामा रोड, हुतात्मा राजगुरू चौक, मंत्रालय, मुंबई -४०००३२ दिनांक :- २७ फेब्रुवारी, २०२४

वाचा :- १. आयुक्त पशुसंवर्धन, पुणे यांचे क्र. ॲस्कॅड प्लॅन/६७/११०६-८८/२०१०,पसं-१२, दि. ०४.०२.२०२१ चे परिपत्रक

२. आयुक्त पशुसंवर्धन, पुणे यांचे पत्र क्र. रोनि / संकिर्ण /५९ /११३७१ /२०२३, पसं-१२, पुणे दि.१२.१२.२०२३

प्रस्तावना :-

विविध रोग प्रादुर्भावामुळे पशु-पक्षांमध्ये होणारी मर्तुक व त्यांची कमी झालेली उत्पादन क्षमता यामुळे शेतकरी, पशुपालकांचे मोठे आर्थिक नुकसान होत असते. पशु-पक्षांमध्ये उद्भवणाऱ्या विविध विषाणूजन्य व जिवाणूजन्य रोगांना प्रतिबंध करण्याकरीता नियमितपणे लसीकरण करणे अत्यंत गरजेचे आहे. पशु-पक्षांमधील लाळ्या-खुरकूत, घटसर्प, फऱ्या, ब्रूसेल्लोसीस, लंपी चर्म रोग, अँथ्रॅक्स, क्लासिकल स्वाईन फीवर, आंत्रविषार, पीपीआर, देवी, मानमोडी इत्यादी महत्त्वाच्या रोगांविरुद्ध परिणामकारक लसी उपलब्ध असून लसीकरणामुळे रोग प्रादुर्भावाचे प्रमाण कमी होते व शेतकरी, पशुपालकांचे होणारे आर्थिक नुकसान टाळणे शक्य होते.

लाळ्या-खुरकूत, ब्रूसेल्लोसीस, पीपीआर हे रोग प्रादुर्भाव पशुजन्य पदार्थ निर्यातीच्या दृष्टिने व आर्थिकदृष्टया महत्वाचे आहेत. केंद्र शासनाव्दारे या रोगांचे नियंत्रण / निर्मुलन कार्यक्रम राबविण्यात येत आहेत. या रोगांसाठी तसेच, लम्पी चर्मरोग या रोगांकरीता करावयाच्या लसीकरणासाठी केंद्र शासनाकडुन मार्गदर्शक सूचना निर्गमित केल्या आहेत.

आयुक्त पशुसंवर्धन, पुणे यांनी त्यांच्या वाचा-१ येथील दि.०४.०२.२०२१ च्या परिपत्रकान्वये कुक्कुट व पशुधनामधील रोग नियंत्रणासाठी करावयाच्या लसीकरणासाठी मार्गदर्शक सूचना निर्गमित केल्या आहेत.

केंद्र शासनाच्या निर्देशानुसार राज्यातील पशुधनास प्रतिबंधत्माक उपाययोजनेचा भाग म्हणून करण्यात येणाऱ्या लसीकरणाचे कालबद्ध वार्षिक वेळापत्रक एकत्रितिरत्या निर्गमित करणे आवश्यक आहे. आयुक्त पशुसंवर्धन, पुणे यांच्या उपरोल्लेखित दि. ०४.०२.२०२१ रोजीच्या परिपत्रकामुळे होणारी व्दिरुक्ती टाळण्यासाठी सदर परिपत्रक अधिक्रमित करुन राज्यात करण्यात येणाऱ्या लसीकरणाचे वार्षिक कालबध्द वेळापत्रक व सदर वेळापत्रक राबविण्यासाठीच्या एकत्रितिरत्या मार्गदर्शक सूचना क्षेत्रीय संस्था / अधिकारी स्तरावर उपलब्ध करण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती. त्या अनुषंगाने खालीलप्रमाणे शासन निर्णय निर्गमित करण्यात येत आहे.

शासन निर्णय :-

पशु-पक्षांमधील विविध रोग प्रादुर्भावांवर नियंत्रण मिळविण्यासाठी काही विशिष्ट औषधींचा तसेच निरोगी पशुधनामध्ये रोग प्रादुर्भाव होवु नये म्हणुन तात्काळ लसीकरण करणे आवश्यक असते. राज्यात अचानक उद्भवणारे विविध रोग प्रादुर्भाव व त्यावर वेळीच प्रभावी नियंत्रण करणे सुलभ होण्याच्या अनुषंगाने क्षेत्रिय स्तरावरील अधिकारी कर्मचारी यांनी पशु-पक्षांमधील विविध रोगांकरीता करावयाच्या लसीकरणाचे वेळापत्रक व तपशिलाबाबत पुढीलप्रमाणे शासन निर्णय निर्गमित करण्यात येत आहे.

गोवर्गीय व महिषवर्गीय पशुधनामधील लसीकरणाचे वेळापत्रक:-

| अ. | रोग | प्राथमिक | दुबार लसीकरण | वार्षिक लसीकरण |
|------|----------------|-------------------|----------------------|------------------------------------|
| क्र. | | लसीकरण | | |
| 9 | लाळ-खुरकूत | वयाच्या चौथ्या | पहिल्या मात्रेनंतर १ | वर्षातून दोन वेळा मार्च व सप्टेंबर |
| | (Foot and | महिन्यात | महिन्यांनी | महिन्यात |
| | Mouth Disease) | | | |
| २ | घटसर्प | वयाच्या सहाव्या | | एप्रिल / मे महिन्यात |
| | (Haemorrhagic | महिन्यात | | |
| | Septicemia) | | | |
| 3 | फऱ्या (Black | वयाच्या सहाव्या | | एप्रिल / मे महिन्यात |
| | Quarter) | महिन्यात | | |
| 8 | लंपी चर्म रोग | वयाच्या चौथ्या | | एप्रिल / मे महिन्यात |
| | (Lumpy Skin | महिन्यात | | |
| | Disease) | | | |
| 4 | थायलेरियासिस | वयाच्या तिसऱ्या | | मे महिन्यात, प्राधान्याने संकरीत |
| | (Theileriosis) | महिन्यात | | गोवर्गीय पशुधनामध्ये, दर तीन |
| | | | | वर्षांनी |
| દ્દ | अँथ्रॅक्स | वयाच्या सहाव्या | | ऑगस्ट महिन्यात केवळ रोग |
| | (Anthrax) | महिन्यात केवळ | | वारंवार उद्भवणाऱ्या भागात |
| | | रोग वारंवार | | वर्षातून एक वेळा याप्रमाणे पुढील |
| | | उद्भवणाऱ्या भागात | | सलग ३ वर्षे |
| (9 | संसर्गजन्य | केवळ ४ ते ८ महिने | | |
| | गर्भपात | वयाच्या कालवडी / | | |
| | (Brucellosis) | पारडयांमध्ये | | |
| | | एकदाच | | |
| ۷ | रेबीज (Rabies) | कुत्रे, मांजर, | चाव्यानंतर त्याच | |
| | | | ` | असल्यास ६ मात्रा द्याव्यात |
| | | चावल्यानंतर | | अन्यथा किमान ३ मात्रा |
| | | त्वरित | २८ व्या व ९० व्या | |
| | | | दिवशी | |

२. शेळ्या व मेंढ्यांमधील लसीकरणाचे वेळापत्रक:-

| अ.क्र. | रोग | प्राथमिक लसीकरण | वार्षिक लसीकरण | |
|--------|---------------------------------|--------------------------------|------------------------------------|--|
| 9 | लाळ खुरकूत (Foot | वयाच्या तिसऱ्या महिन्यात | वर्षातून दोन वेळा मार्च व सप्टेंबर | |
| | and Mouth | | महिन्यात | |
| | Disease) | | | |
| २ | घटसर्प वयाच्या तिसऱ्या महिन्यात | | एप्रिल महिन्यात | |
| | (Haemorrhagic | | | |
| | Septicemia) | | | |
| 3 | आंत्रविषार | मादी शेळी / मेंढीस गर्भावस्थेत | मे महिन्यात पहिली मात्रा व पहिल्या | |
| | (Enterotoxaemia) | असताना लसीकरण केलेले | मात्रेनंतर पंधरा ते एकविस दिवसांनी | |

| | | असेल तर करडाच्या वयाच्या | दुबार मात्रा |
|----|------------------------|-------------------------------|---------------------------------------|
| | | चौथ्या महिन्यात अन्यथा आठव्या | |
| | | आठवडयात लसीकरणाच्या | |
| | | पहिल्या मात्रेनंतर पंधरा ते | |
| | | एकविस दिवसांनी दुबार मात्रा | |
| 8 | पीपीआर (PPR | वयाच्या तिसऱ्या महिन्यात | मे / जून महिन्यात, तद्नंतर दर तीन |
| | Peste des Petits) | | वर्षांनी अथवा केंद्र शासनाच्या |
| | | | मार्गदर्शक सूचनांनुसार |
| ч | निल जीव्हा (Blue | वयाच्या तिसऱ्या महिन्यात | जुलै महिन्यात, मेंढ्यांमध्ये रोग |
| | Tongue) | | वारंवार उद्भवणाऱ्या भागात वर्षातून |
| | | | एक वेळा |
| ξ | अँथ्रॅक्स (Anthrax) | वयाच्या तिसऱ्या महिन्यात | ऑगस्ट महिन्यात, रोग वारंवार |
| | | | उद्भवणाऱ्या भागात वर्षातून एक वेळा |
| | | | याप्रमाणे रोग प्रादुर्भावापासून पुढील |
| | | | सलग ३ वर्षे |
| (9 | धनुर्वात | वयाच्या तिसऱ्या महिन्यात, | ऑक्टोबर महिन्यात |
| | (Tetanus) | गर्भावस्थेतील मादीस | |
| ۷ | मेंढ्यांची देवी (Sheep | वयाच्या तिसऱ्या महिन्यात | डिसेंबर महिन्यात, मेंढ्यांमध्ये रोग |
| | Pox) | | वारंवार उद्भवणाऱ्या भागात वर्षातून |
| | | | एक वेळा |
| 9 | शेळ्यांची देवी (Goat | वयाच्या तिसऱ्या महिन्यात | डिसेंबर महिन्यात, शेळ्यांमध्ये रोग |
| | Pox) | | वारंवार उद्भवणाऱ्या भागात वर्षातून |
| | | | एक वेळा |

३. कुक्कुट पक्ष्यांमधील लसीकरणाचे वेळापत्रक:-

३.१ व्यावसायिक मांसल पक्षी:-

| अ. क्र. | वय | लस | |
|---------|------------------|--|--|
| 9 | एक दिवसीय पिल्ले | मरेक्स लस (अंडी उबवणी केंद्रात) | |
| २ | ५ - ७ दिवस | मानमोडी रोगाकरीता लासोटा लस | |
| 3 | १४ - १५ दिवस | इन्फेक्शीयस बर्सल डिसीज (गंबोरो) करीता इंटरमिडीएट लस | |
| 8 | २१ - २८ दिवस | मानमोडी रोगाकरीता लासोटा दुबार लस | |

३.२ व्यावसायिक अंडी उत्पादक पक्षी:-

| अ. क्र. | वय | लस |
|---------|------------------|--|
| 9 | एक दिवसीय पिल्ले | मरेक्स लस (अंडी उबवणी केंद्रात) |
| २ | ५ ते७ दिवस | मानमोडी रोगाकरीता लासोटा लस |
| 3 | १४ ते १५ दिवस | इन्फेक्शीयस बर्सल डिसीज (गंबोरो) करीता इंटरमिडीएट लस |
| 8 | २१ ते २२ दिवस | मानमोडी रोगाकरीता लासोटा दुबार लस |
| 4 | २८ दिवस | इन्फेक्शीयस ब्राँकायटिस रोगाकरीता लस |
| ξ | ३५ दिवस | इन्फेक्शीयस बर्सल डिसीज (गंबोरो) करीता लस |
| (9 | ४२ दिवस | कोंबड्यांची देवी |

| ۷ | ५६ दिवस | मानमोडी रोगाकरीता आरटुबी लस |
|----|-----------------|-------------------------------------|
| 8 | ९८ दिवस | इन्फेक्शीयस ब्रॉकायटिस रोगाकरीता लस |
| 90 | ११२ दिवस | मानमोडी रोगाकरीता Killed लस |
| 99 | ११२ ते १२६ दिवस | कोंबड्यांची देवी |

(*दुबार मात्रा कळपातील रोग प्रादुर्भावाचा पूर्व इतिहास तपासूनच द्यावा.)

३.३ परसातील कुक्कुटपालनासाठीच्या कुक्कुट पक्ष्यांचे लसीकरण:-

| अ. | लसीचे नाव | प्राथमिक लसीकरण | दुबार लसीकरण (बूस्टर) | वार्षिक |
|------|----------------------|-----------------------|-----------------------|-------------|
| क्र. | | | | लसीकरण |
| 9 | मरेक्स लस | १ दिवसीय पिल्ले (अंडी | | |
| | | उबवणी केंद्रात) | | |
| २ | लासोटा लस | १ ला आठवडा | ४ ते ५ आठवड्यांनी | |
| 3 | आरटुबी लस | ८ वा आठवडा | १८ वा आठवडा | एप्रिल / मे |
| | | | | महिन्यात |
| 8 | इन्फेक्शीयस बर्सल | २ ते ३ आठवड्यांनी | १८ ते २० आठवड्यांनी | |
| | डिसीज (गंबोरो) करीता | | | |
| | लस | | | |
| 4 | इन्फेक्शीयस | ४ था आठवडा | १४ वा आठवडा | |
| | ब्राँकायटिस करीता लस | | | |
| Ę | कोंबड्यांची देवी | ६ वा आठवडा | १४ ते १६ आठवड्यांनी | एप्रिल / मे |
| | | | | महिन्यात |

४. वराहामधील लसीकरणाचे वेळापत्रक:-

| अ. | रोगाचे नाव | पहिली मात्रा | दुसरी मात्रा | तिसरी मात्रा | वार्षिक |
|------|--------------------|---------------|------------------------|---------------|----------|
| क्र. | | | | | लसीकरण |
| 9 | लाळ खुरकूत (Foot | वयाच्या ३ | पहिल्या मात्रेपासून ३० | पहिल्या | मार्च व |
| | and Mouth Disease) | आठवडयात | ते ४५ दिवसात | मात्रेपासून ६ | सप्टेंबर |
| | | | | महिन्यात | महिन्यात |
| २ | क्लासिकल स्वाईन | ४५ दिवसांच्या | पहिल्या मात्रेपासून १ | पहिल्या | एप्रिल व |
| | फीवर | पिल्लांमध्ये | महिन्यात | मात्रेपासून ६ | ऑक्टोबर |
| | | | | महिन्यात | महिन्यात |

५. अश्ववर्गीय प्राण्यांच्या लसीकरणाचे वेळापत्रक:-

| अ. | रोगाचे नाव | प्राथमिक | दुबार लसीकरण | वार्षिक लसीकरण |
|-----|-----------------|-----------------|--------------------------|--------------------------------|
| क्र | | लसीकरण | | |
| 9 | धनुर्वात | वयाच्या पाचव्या | प्राथमिक लसीकरणाच्या २८ | ऑक्टोबर महिन्यात |
| | (Tetanus) | महिन्यात | दिवसात | |
| २ | इक्वाईन राह्यनो | वयाच्या नवव्या | प्राथमिक लसीकरणाच्या २१- | गाभण अश्ववर्गीय |
| | न्यूमोनायटिस | महिन्यात | २८ दिवसात | प्राण्यांच्या गर्भावस्थेच्या ५ |

| | | | | व्या, ७ व्या आणि ९ व्या |
|---|------------|----------------|---------------------------|-------------------------|
| | | | | महिन्यामध्ये |
| 3 | इक्वाईन | वयाच्या सहाव्य | । प्राथमिक लसीकरणाच्या ३० | शर्यतीच्या घोड्यांमध्ये |
| | एनफ्लूएंझा | महिन्यात | दिवसात, त्यानंतर तिसरी | स्थलांतर करण्यापूर्वी |
| | · | | मात्रा ३० दिवसात | · |
| 8 | रेबीज | वयाच्या पाचव्य | । प्राथमिक लसीकरणाच्या २१ | दर वर्षी दुबार |
| | | महिन्यात | ते २८ दिवसात | लसीकरणांनंतर एक |
| | | | | वर्षात |

लसीकरणापूर्वी व लसीकरणादरम्यान घ्यावयाची दक्षता:-

- 9. पशुवैद्यकीय संस्थांच्या कार्यक्षेत्रातील पशु-पक्षांच्या संख्येनुसार जिल्हयासाठी आवश्यक लसमात्रांची मागणी जिल्हा पशुसंवर्धन उपायुक्त यांनी आयुक्त पशुसंवर्धन, पुणे यांच्याकडे दरवर्षी मार्च महिन्याच्या पहिल्या आठवडयात सादर करावी.
- २. पशुजैव पदार्थ निर्मिती संस्थेकडून पुरवठा होणाऱ्या लसमात्रांची वाहतूक करताना योग्य ती शितसाखळी राखण्यात यावी.
- 3. संबंधित जिल्हयाच्या जिल्हा पशुवैद्यकीय सर्विचिकित्सालयात लसमात्रा प्राप्त झाल्यापासुन पशु-पक्षांमध्ये तिचा वापर होईपर्यंत लसीचे तापमान योग्य राहील याची दक्षता संबंधित संस्थाप्रमुख यांनी घ्यावी.
- ४. लस +२° से. ते +८° से. तापमानातच साठवावी. द्रव स्वरूपातील लस शितपेटीच्या बर्फाच्या कप्प्यात (Freezer) ठेवू नये.
- ५. प्राप्त लसीचे बॅच क्रमांक, लस उत्पादक कंपनीचे नाव व अंतिम वापरायोग्य तारखेची नोंद संस्थाप्रमुखानी संबंधित लससाठा नोंदवहीमध्ये घ्यावी.
- ६. लसीकरणाच्या १ ते २ आठवड्यापूर्वी पशुंमधील बाह्यपरजीवींचे (Ectoparasites) निर्मूलन करावे व पशुधनास योग्य प्रमाणात जंतनाशक औषधे (Dewormer) द्यावीत.
- ७. लसीकरण शक्यतो दिवसाचे तापमान वाढण्यापूर्वी म्हणजेच सकाळी किंवा सायंकाळी करावे.
- ८. आजारी पशुधनास लसीकरण करू नये.
- ९. प्रत्येक पशुधनासाठी नवीन सुईचा वापर करावा.
- १०. पशु- पक्ष्यांचे लसीकरण करताना दोन विभिन्न लसी एकत्र मिसळू नयेत.
- ११. गाभण पशुधनास लसीकरण करताना लस उत्पादकांच्या सूचनांचे काटेकोरपणे पालन करावे.तसेच पशुधनाची अनावश्यक हालचाल होणार नाही याची काळजी घ्यावी.
- 9२. लसीकरण करताना शितसाखळी राखण्यासाठी लस कुपी व्हॅक्सीन कॅरिअरमध्ये बर्फावर किंवा आईस पॅकवरच ठेवावी.
- 93. शीत शुष्क लसीसाठी (लायोफिलाइस्ड / फ्रिज ड्राईड) योग्य तो डायल्युअंट (वर्धक) वापरावा व लस वर्धकामध्ये व्यवस्थित मिसळल्यानंतर उत्पादकांच्या निर्देशांनुसार विहित कालावधीत वापरावी.
- 9४. लसीकरण करण्यापूर्वी अथवा लसीकरणानंतर प्रतिकारशक्ती कमी करणारी स्टिरॉइड् औषधी पशुधनास प्रदीर्घ काळ टोचू किंवा देऊ नये.
- १५. पशु-पक्षांमधील लसीकरण वेळापत्रकाचे काटेकोरपणे पालन करावे.
- १६. कुक्कूट पक्षात लसीकरणापूर्वी व नंतर तीन दिवस तणाव निर्मूलक औषधी देण्यात यावीत.
- १७. शेळ्या व मेंढ्यांमधील लसीकरणाचे नियोजन करताना प्राधान्याने त्यांच्या स्थलांतरण मार्गाचा व कालावधीचा विचार करावा.
- 9८. लसीकरणानंतर पशुधनामध्ये विपरीत लक्षणे दिसण्याची शक्यता असल्याने त्या अनुषंगाने उपचारासाठी आवश्यक औषधांचा साठा उपलब्ध ठेवावा.

- १९. वापरण्यात आलेले साहित्य, कुपी, सुई इत्यादींची बायोमेडिकल वेस्ट डिस्पोजेबल रुल्सनुसार विल्हेवाट लावावी.
- २०. लसमात्रा, लस टोचायची पद्धत, वेळापत्रक, दुबार मात्रा, वार्षिक मात्रा या बाबत वेळोवेळी निर्गमित होणाऱ्या राज्य व केंद्र शासनाच्या मार्गदर्शक सूचनांचे काटेकोरपणे पालन करावे.

सदरचा शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या <u>www.maharashtra.gov.in</u> या संकेतस्थळावर उपलब्ध असून, त्याचा संगणक संकेतांक २०२४०२२७१२४७४२६२०१ आहे. सदर शासन निर्णय डिजीटल स्वाक्षरीने साक्षांकित करून निर्गमित करण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशाने व नावाने,

(तुकाराम मुंढे) सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रत.

- मा. मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव, मंत्रालय, मुंबई.
- २. मा. उपमुख्यमंत्री (गृह) यांचे सचिव, मंत्रालय मुंबई
- ३. मा. उपमुख्यमंत्री (वित्त व नियोजन) यांचे खाजगी सचिव, मंत्रालय मुंबई.
- ४. मा. मुख्य सचिव यांचे सचिव, मंत्रालय, मुंबई
- ५. आयुक्त पशुसंवर्धन, महाराष्ट्र राज्य, औंध, पुणे.
- ६. मा. मंत्री (पशुसंवर्धन) यांचे खाजगी सचिव, मंत्रालय, मुंबई.
- ७. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, महाराष्ट्र पशुधन विकास मंडळ, नागपूर.
- ८. व्यवस्थापकीय संचालक, पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी मेंढी व शेळी विकास महामंडळ, पुणे.
- ९. सहआयुक्त पशुसंवर्धन, पशुजैव पदार्थ निर्मिती संस्था, पुणे.
- १०. सहआयुक्त पशुसंवर्धन, रोग अन्वेषण विभाग, पुणे.
- ११. सर्व प्रादेशिक सहआयुक्त पशुसंवर्धन.
- १२. सर्व जिल्हा पशुसंवर्धन उपआयुक्त.
- १३. सर्व सहाय्यक आयुक्त पशुसंवर्धन, विभागीय रोग अन्वेषण प्रयोगशाळा.
- १४. सर्व जिल्हा पशुसंवर्धन अधिकारी, जिल्हा परिषद.
- १५. सर्व सहाय्यक आयुक्त पशुसंवर्धन, जिल्हा पशुवैद्यकीय सर्वचिकित्सालये
- १६. सर्व सहाय्यक आयुक्त पशुसंवर्धन, तालुका लघुपशुवैद्यकीय सर्वचिकित्सालये
- १७. अवर सचिव (पदुम -३), कक्ष अधिकारी (पदुम १, २ व १६) कृषी व पदुम विभाग, मंत्रालय, मुंबई.
- १८. निवड नस्ती (पदुम-४).